



४४  
४५  
४६

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 273]  
No. 273]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 22, 1981/आषाढ़ 1, 1903  
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 22, 1981/ASADHA 1, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 जून, 1981

का० आ० 501(अ):—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूत-पूर्व श्रौद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 128 (अ)/18पक्ष/18कक्ष/उ० वि० वि० अ० 73, तारीख 5 मार्च, 1973 द्वारा व्यक्तियों के एक निकाय को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है), मैसर्स कूण्डा सिलिकेट एंड लाइस बर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक मध्यूर्धे श्रौद्योगिक उपकरण का प्रबंध 5 मार्च, 1973 से 5 वर्ष की अवधि के लिए, प्रहृण करने के लिए, प्राधिकृत किया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 146 (अ)/18पक्ष/18कक्ष/उ० वि० वि० अ०/78 तारीख 3 मार्च, 1978 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को, 5 मार्च, 1978 से दो वर्ष की और अवधि के लिए, उक्त श्रौद्योगिक उपकरण का प्रबंध करने रहने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि मर्वेसाधारण के हित में यह समीक्षीय है कि प्राधिकृत व्यक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, इससे उपकरण अनुसूची में ऐसे अवकाश, निवृत्तियों और परिसीमाओं की विनियिक्त करती है, जिनके अधीन रहने द्वारा काम्पनी प्राधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त श्रौद्योगिक उपकरण को उर्मि रीति से लागू रहेगा जैसे यह उपर्युक्त

धारा 18कक्ष की उपधारा (2) के परन्तुके के अधीन एक भावेवन कल-कता उच्च न्यायालय को किया था जिसमें यह प्रार्थना की गई थी कि ऐसा प्रबंध एक वर्ष की ओर प्रवधि के लिए जारी रखा जाए;

और उक्त उच्च न्यायालय ने अपने तारीख 29 फरवरी, 1980 के आदेशानुसार प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त श्रौद्योगिक उपकरण का प्रबंध दो वर्ष की ओर प्रवधि तक जारी रखने के लिए अनुबंध कर दिया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 145 (अ)/18कक्ष/उ० वि० वि० अ०/80, तारीख 5 मार्च, 1980 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को 5 मार्च, 1980 से एक वर्ष की ओर प्रवधि के लिए, उक्त श्रौद्योगिक उपकरण का प्रबंध करने रहने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 144 (अ), तारीख 4 मार्च, 1981 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को, 5 मार्च, 1981 से आरम्भ होने वाली छह मास की ओर प्रवधि के लिए उक्त श्रौद्योगिक उपकरण का प्रबंध करने रहने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

अब, अब केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, इससे उपकरण अनुसूची में ऐसे अवकाश, निवृत्तियों और परिसीमाओं की विनियिक्त करती है, जिनके अधीन रहने द्वारा काम्पनी प्राधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त श्रौद्योगिक उपकरण को उर्मि रीति से लागू रहेगा जैसे यह उपर्युक्त

अधिनियम की धारा 18फक के साथ पठिन धारा 18फक के अधीन आवेदन के जारी होने से पूर्व था।

### अनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध एसे प्रयोग, निर्बन्धन और परिसीमाएं, जिनके अधीन रहते हुए, सन्म्भ (1) में उल्लिखित उपबन्ध औद्योगिक उपकरण को लागू होंगे।

1 2  
धारा 166 और 210 (1) इन धाराओं के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपकरण को इस पार्ट के प्रधीन रहते हुए लागू नहीं होगे कि व्यापक कम्पनी के तुलनपत्र और लाभ तथा हानि लेखा वापिक संधारण अधिक्षेपन के सम्बूद्ध रखे जाने की आवश्यकता नहीं है, व्यापक वह तुलनपत्र और लाभ-हानि लेखा प्रागमिक हप से नियंत्र करेगा और उन्हें कानूनी विवरिणीय महिन कम्पनी के उजिस्टार के पास फाईल करेगा।

धारा 217 इस धारा के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपकरण को इस सीमा तक लागू नहीं होगे कि बोर्ड की रिपोर्ट माधारण अधिक्षेपन के सम्बूद्ध रखी जानी अवश्यक नहीं है।

धारा 224 और 225 इन धाराओं के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपकरण को इस पार्ट के अधीन रहते हुए लागू नहीं होगे कि संपरीक्षकों की नियुक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाएगी।

धारा 293 (1) (प) इस उपधारा के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपकरण को ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए लागू नहीं होगे, जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर अधिरोपित करे।

धारा 169 और 294 इन धाराओं के उपबन्ध उक्त औद्योगिक उपकरण को लागू नहीं होगे।

[फा० स० 2(1)/80-सी० य० एग०]  
चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 22nd June, 198

S.O. 501 (E) :—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 128 (E)/18FA/18AA/IDRA/73 dated the 5th March, 1973, the Central Government had authorised a body of persons (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs. Krishna Silicate and Glass Works Limited, Calcutta, for a period of five years from the 5th March, 1973;

And whereas the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 146(E) /18FA/18AA/IDRA/78 dated the 3rd March, 1978, authorised the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two years from the 5th March, 1978;

And whereas the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interests of general public that the authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after the expiry of the period of seven years aforesaid, made an application under the proviso to sub-section

(2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period of one year;

And whereas the said High Court by its Order dated the 29th February, 1980, permitted the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two years;

And whereas the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 145(E)/18FA/18AA/IDRA/80 dated the 5th March, 1980, authorised the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of one year from the 5th March, 1980;

And whereas the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 144 (E) dated the 4th March, 1981 authorised the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of six months commencing from the 5th March, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies, in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the said industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the Order under section 18FA, read with section 18AA, of the aforesaid Act.

#### SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions, limitations subject to which the provisions mentioned in Col. (1) shall apply to the industrial undertaking.
Section 166 and 210(1)	Provisions of these sections shall not apply to the said industrial undertaking subject to the condition that while the balance sheet and profit and loss account of the Company need not be placed before the annual general meeting, it shall, however, prepare balance sheet and profit and loss account as usual and file them with the Registrar of Companies along with statutory returns.

Section 217	Provisions of this section shall not apply to the said industrial undertaking to the extent that the Board's report is not required to be placed before the general meeting.
-------------	--

Sections 224 and 225	Provisions of these sections shall not apply to the said industrial undertaking subject to the condition that auditors shall be appointed by the Central Govt.
----------------------	--

Section 293(1)(d)	Provisions of this sub-section shall not apply to the said industrial undertaking subject to such conditions that the Central Government may impose from time to time.
-------------------	--

Sections 169 and 294	Provisions of these sections shall not apply to the said industrial undertaking.
----------------------	--

[F. No. 2 (1)/80-CUS  
C. K. MODI, Jt. Secy